Dr. M. Sharma

Book Chapter

राष्ट्र नायक

सरदार वल्लभभाई पटेल

व्यक्तित्व और कर्तृत्व

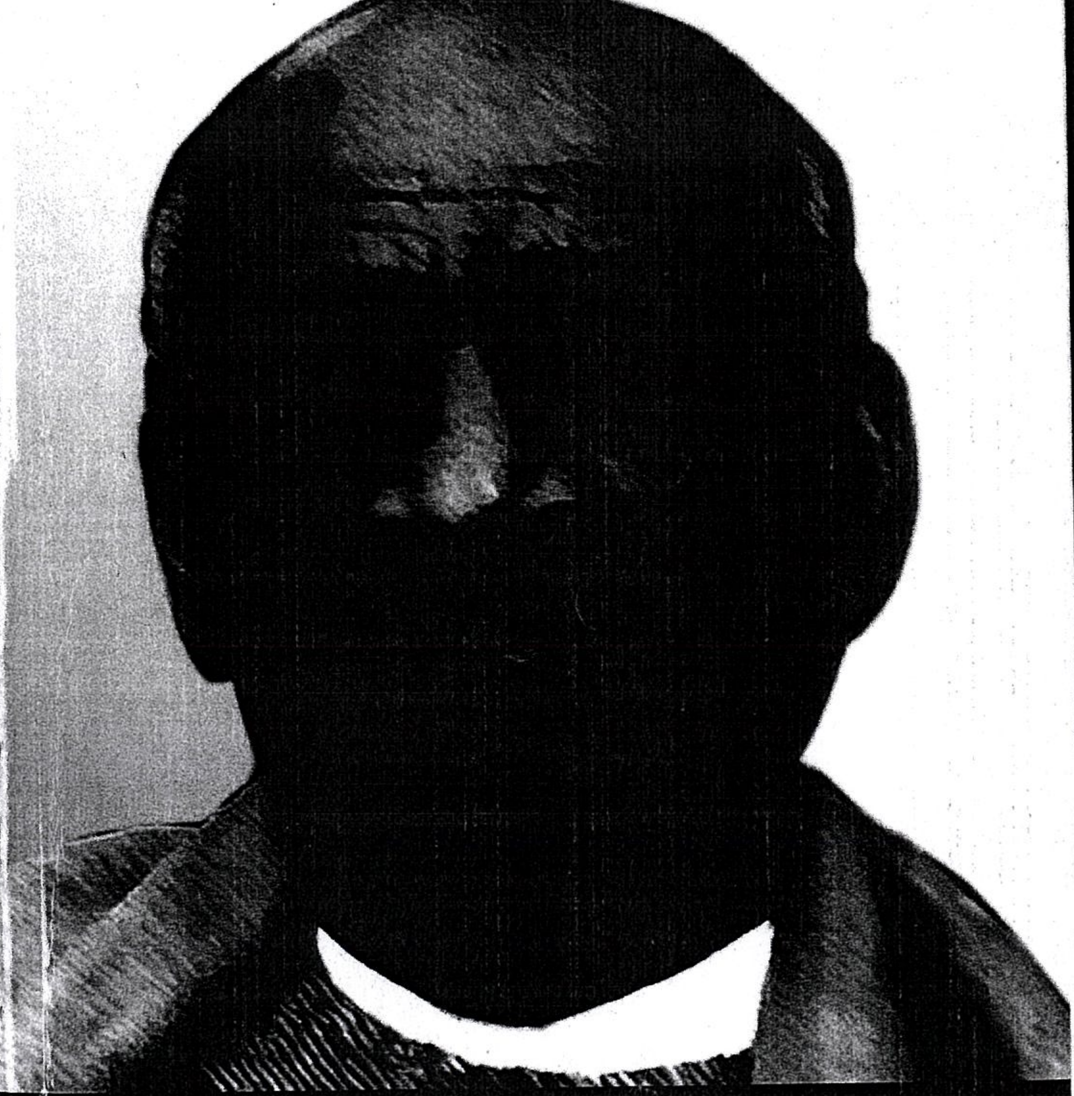

संपादक

डॉ. अनिता मन्ना

डॉ. मनीष कुमार मिश्रा

Certified as
TRUE COPY

Principal
Ramniranjan Jhunjhunwala College,
Ghatkopar (W), Mumbai-400086.

अनुक्रम

1. राष्ट्र निर्माण में सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका
   - डॉ. अलका पाण्डेय 11

2. सरदार पटेल का राजनीतिक जीवन : व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व
   - डॉ. चन्दन कुमार 18

3. भारतीयों के हृदय सम्राट : सरदार वल्लभभाई पटेल
   - डॉ. प्रवीण चंद्र बिष्ट 34

4. सरदार पटेल : व्यक्ति और विचार
   - डॉ. लक्ष्मीकान्त चंदेला 42

5. सरदार वल्लभभाई पटेल का भारत की स्वतंत्रता में योगदान
   - डॉ. विशाल भारद्वाज 49

6. कर्नाटक एकीकरण और सरदार वल्लभभाई पटेल
   - डॉ. दीपा रागा 60

7. शिक्षा के प्रति सरदार के विचार
   - जयश्री गुलाबभाई चौधरी 64

8. हैदराबाद एकीकरण और सरदार वल्लभभाई पटेल
   - डॉ. संतोष महीपति 74

9. ऑपरेशन पोलो और सरदार वल्लभभाई पटेल
   - डॉ. रीना सिंह 79

कादमी, मुंबई

Certified as
TRUE COPY

Principal
Ramniranjan Jhunjhunwala College,
Ghatkopar (W), Mumbai-400086.

10. एकता और अखंडता की प्रतिमूर्ति :
लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल
- डॉ. सुधीर कुमार चौबे 85

11. सरदार वल्लभभाई पटेल की कर्तव्यनिष्ठता
के विविध आयाम
- डॉ. महात्मा पाण्डेय 92

12. सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन परिचय
- डॉ. रंजना पाटिल 100

13. सरदार वल्लभभाई पटेल और भारत की स्वतंत्रता
- डॉ.विलास अंबादास साळुंके 106

14. निराले व्यक्तित्व के धनी सरदार वल्लभभाई पटेल
- डॉ. अर्जुन सिंह पंवार 111

15. भारत की राष्ट्रीय एकता में
सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका
- सरताज सिंह 116

16. सरदार पटेल और जवाहरलाल नेहरू में
वैचारिक भिन्नता
- डॉ. विपिन गुप्ता 122

17. भारत की एकता का निर्माण
- डॉ. मुकेश वसावा 132

18. सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन संघर्ष
- कांचनकर हेमलता सुखदेव 142

Certified as
TRUE COPY

Principal
Ramniranjan Jhunjhunwala College,
Ghatkopar (W), Mumbai-400086.

85

92

100

त्रता

106

पटेल

111

116

122

132

142

19. लौहपुरुष सरदार पटेल की दृष्टि में किसान, गाँव और स्वराज
- डॉ. सत्यवती चौबे 146

20. सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन दर्शन
- नूर पाशा 154

21. सरदार वल्लभभाई पटेल का राजनैतिक जीवन
- सरोज नामदेव पगारे 159

22. जननायक : सरदार वल्लभभाई पटेल
- डॉ. मिथिलेश शर्मा 163

23. राष्ट्रीय संघर्ष में सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका
- डॉ. रमा विनोद सिंह 168

24. राष्ट्रीय अखंडता और लौहपुरुष सरदार पटेल
- डॉ. कुसुम कुंज मालाकार 179

25. सरदार वल्लभभाई पटेल और उनका व्यक्तित्व
- डॉ. उषा आलोक दुबे 189

26. भारतीय एकता के प्रबल संवाहक : लौहपुरुष पटेल
- डॉ. वासुदेवन 'शेष' 194

27. लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल
- डॉ. रावेन्द्र साहू 201

28. राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय सम्मान से विभूषित सरदार वल्लभभाई पटेल
- हेमलता पाल 208

29. स्टेच्यू नहीं दिल बड़ा है सरदार का
- डॉ. शशिकला राय 214

Certified as
TRUE COPY

Principal
Ramniranjan Jhunjhunwala College,
Ghatkopar (W), Mumbai-400086.

30. एकता, अखण्डता और सामाजिक समरसता के प्रतीक सरदार पटेल : एक आकलन
- **डॉ. गजेन्द्र भारद्वाज** 222

31. विश्वरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर आणि वल्लभभाई पटेल यांचा अनुबंध
- **डॉ. महेन्द्र दहिवले** 231

32. सरदार वल्लभभाई पटेल यांचे कृषक आंदोलन-चिकित्सक अभ्यास
- **डॉ. अनघा शैलेश राणे** 235

33. सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पोलीस प्रबोधिनी प्रशिक्षण कार्यक्रमाचा चिकित्सक अभ्यास
- **ज्योती फुलारी** 242

34. सरदार वल्लभभाई पटेल : जीवन परिचय व चिकित्सक अभ्यास
- **डॉ. किरण चव्हाण** 248

35. From Vallabhbhai to Sardar Patel: A Life Journey of the Architect of the Modern India
- **Dr. Mahesh Kumar Dey** 253

36. Translating Vision into Reality: Leadership Qualities of SardarVallabhabhai Patel
- **Dr. Manisha Patil** 265

37. Essence of Sardar Vallabhai Patel : The National Leader
- **Prin. Dr.Anita Manna** 268

38. Sardar VallabhBhai Patel : Pragmatic approach towards Geo- Political Relations
- **Dr. Sadhana D. Singh** 275

राष

राष्ट्र ऐ
एक सभ्यता
से भिन्नता
उपयोग कर
निर्माता एक
से राष्ट्रीय
आजादी औ
और अखंड
भाषा और क्षे
ही नहीं होता
निर्माण के प्र
छोटे से शब्द
का सार सम
के लिए आ
है, जहाँ हैं,
विकासशील
अभिन्न अंग
और निर्माण
राष्ट्र-प्रेम क
जो
वह
वास्तव
समर्पण का

राष्ट्र ना

Certified as
TRUE COPY
Principal
Ramniranjan Jhunjhunwala College,
Ghatkopar (W), Mumbai-400086.

ीय संघ में शामिल
नवाब से अलग हो
ोजना को सफलता

काँग्रेस अधिवेशन
ः सत्याग्रह, नागपुर

20 में वल्लभभाई
में भारतीय राष्ट्रीय
क... समिति के
कर 1934 व 1950
के कोषाध्यक्ष और
दस्य रहे। इस पूरे
रहा हो या न भी
कि वे काँग्रेस दल
की नाव डगमगाई
के बल पर उन्होंने

कैलाश चंद्र जैन,

वन प्रकाशन मंदिर,

कुमार,

ायक प्राध्यापक
ाड महाविद्यालय,
र, जि. औरंगाबाद

जननायक : सरदार वल्लभभाई पटेल

- डॉ. मिथिलेश शर्मा

गुजरात के एक छोटे से गाँव नडियाद में 31 अक्टूबर 1975 को जन्मे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के पिता किसान और माँ एक साधारण महिला थी। बचपन से ही उन्हें अन्याय से ईर्ष्या थी, जब वह विद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर रहे थे तब उन्होंने 'शिक्षकों के पुस्तकें बेचने की प्रथा' का विरोध किया, लगभग 5-6 दिन स्कूल बंद रहा; अंत में यह प्रथा समाप्त हो गयी। अतः उन्होंने हमेशा शिक्षा को ज्ञान की दृष्टि से देखा, न कि व्यापार की दृष्टि से। पटेल जी की पारिवारिक स्थिति अनुकूल न थी। अतः उन्होंने स्वयं जिलाधिकारी परीक्षा की तैयारी की व अपने बल पर वकील बनने का सपना पूरा किया। उनका स्वभाव अन्य किसानों व मजदूर वर्ग से भिन्न था। वह कहते हैं- "दुनिया का आधार किसान और मजदूर पर है। फिर भी, सबसे ज्यादा जुल्म कोई सहता है तो वह यह दोनों ही सहते हैं क्योंकि ये दोनों बेजुबान होकर अत्याचार सहन करते हैं। मैं किसान हूँ, किसानों के दिलों में घुस सकता हूँ, इसलिए उन्हें समझता हूँ कि इनके दुःखों का कारण यही है कि वे 'हताश' हो गए हैं और यह मानने लगे हैं कि इतनी बड़ी हुकूमत के विरुद्ध क्या कोई खड़ा हो सकता है? सरकार के नाम पर चपरासी आकर उन्हें धमका जाता हैं और बेगार करा लेता है।"[1] 'पटेल' जी किसानों व मजदूरों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

सन् 1947 में अंग्रेजों ने भारत को 565 छोटे-बड़े रियासतों में विभाजित करके गए। इन सभी रियासतों का एकत्रीकरण किए बिना अखंड भारत की संकल्पना को साकार नहीं किया जा सकता था। सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी बुद्धिमता का परिचय देते हुए, अनेक छोटे - बड़े राजे-रजवाड़े जो भारत का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे, उन्हें भी भारत में मिला लिया और एक अखंड भारत की नींव रखी। जूनागढ़ एक ऐसा ही राज्य था, जिसके राजा, मोहम्मद अली जिन्ना के प्रभाव में थे।

Certified as
TRUE COPY
Principal
Ramniranjan Jhunjhunwala College,
Ghatkopar (W), Mumbai-400086.

मोहम्मद अली जिन्ना जूनागढ़ को पाकिस्तान का हिस्सा बनाना चाहते थे किंतु, सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी कूटनीति का प्रयोग करके जूनागढ़ के आसपास के दो रियासतों को अपने में मिला लिया, यह देखकर जूनागढ़ के नवाब ने उन दो राज्यों पर हमला कर दिया, जवाबी कार्रवाई में भारतीय सेना ने जूनागढ़ पर आक्रमण कर दिया। पाकिस्तान से कोई मदद न मिलने पर जूनागढ़ के नवाब कराची भाग गए और कुछ दिनों के उपरांत जनमत संग्रह करवाकर उसको भारत में मिला लिया गया। इसी कड़ी में जोधपुर को भी व्यवसाय में भारी रियायत देकर भारत में विलय करवाया गया।

हैदराबाद का भारत में विलयीकरण सरदार पटेल द्वारा किये गए विलयों में से सबसे चर्चित विलय है। हैदराबाद के निजाम, हैदराबाद को एक अलग देश बनाना चाहते थे किंतु, सरदार वल्लभभाई पटेल की रणनीति और कूटनीति के चलते भारत के बीचों बीच एक अलग देश बनने से न सिर्फ रोका गया बल्कि उसका भारत में विलय भी किया गया। सरदार पटेल जी की आकांक्षा थी कि, "जब भारत एक होकर ब्रिटिश शासन के विरुद्ध लड़ाई में एक साथ था, तब जब वह आज स्वाधीन है तो क्या उन्हें भारत में अपनी संस्कृति, भारत को विकासशील बनाने में एकजुट नहीं होना चाहिए?

इस उद्देश्य को कायम रखते हुए उन्होंने हैदराबाद को भारत में विलय करने हेतु 'निजाम' को पत्र लिखा; जिसे अस्वीकार कर दिया गया। जिसके पश्चात पटेल जी ने 'हैदराबाद ऑपरेशन' के तहत सैनिक तैनात कर हैदराबाद को भारत में विलय कर दिया।

कश्मीर को भी लेकर विवाद उठे, जहाँ उन्हें हस्तक्षेप का अधिकार नहीं दिया गया था। परंतु, भारत की खंडता उन्हें सहन ही नहीं हुई, इसलिए उन्होंने कश्मीर के प्रधानमंत्री- पं. रामचंद्र काक को लिखे पत्र में अपने विचारों को प्रकट किया, "मैं कश्मीर की विशेष कठिनाई को समझता हूँ, परंतु इतिहास व पारंपरिक रीति-रिवाजों आदि को ध्यान में रखते हुए मेरे विचार से जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय होने के अलावा

Certified as
TRUE COPY
Principal
Ramniranjan Jhunjhunwala College,
Ghatkopar (W), Mumbai-400086.

हिस्सा बनाना चाहते
नीति का प्रयोग करके
में मिला लिया, यह
ला कर दिया, जवाबी
कर दिया। पाकिस्तान
त्री भाग गए और कुछ
भारत में मिला लिया
ो रियायत देकर भारत

पटेल द्वारा किये गए
के निजाम, हैदराबाद
वल्लभभाई पटेल की
बीच एक अलग देश
विलय भी किया गया।
त एक होकर ब्रिटिश
वह आज स्वाधीन है
विकासशील बनाने में

राबाद को भारत में
कार कर दिया गया।
5 तहत सैनिक तैनात

स्तक्षे का अधिकार
सहन ही नहीं हुई,
काक को लिखे पत्र
विशेष कठिनाई को
आदि को ध्यान में
लय होने के अलावा

कोई अन्य विकल्प नहीं हैं।"[2] और इस प्रकार जम्मू-कश्मीर, भोपाल और लक्षद्वीप ऐसे कई सुरक्षा एवं व्यापार की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य, जो भारत का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे और जो भारत की एकता-अखंडता और सुरक्षा की दृष्टि से खतरा हो सकते थे, उन सभी रियासतों का भारत में विलय करवाने का श्रेय सरदार वल्लभभाई पटेल को जाता है। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 16 मई 1959 को अपनी डायरी में लिखा था, "आज यदि हम भारत के बारे में सोच रहे हैं या बात कर रहे हैं तो इसका बहुत हद तक श्रेय सरदार पटेल की राजनीतिमत्ता एवं कुशल प्रशासन को है।"[3]

इन देशी रियासतों का भारत में विलय करने के कारण सरदार वल्लभभाई पटेल को 'भारत का बिस्मार्क' एवं महात्मा गाँधी ने 'लौहपुरुष' की उपाधि से भी सम्मानित किया और इसी कारण उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। उनके इस महत्वपूर्ण योगदान को याद रखने के लिए 31 अक्टूबर, 2013 के दिन 'सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती' के शुभ अवसर पर उनकी याद में गुजरात के सरदार सरोवर बाँध पर विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा 'अखंड भारत के सूत्रधार सरदार वल्लभभाई पटेल स्टेचू ऑफ यूनिटी' की स्थापना की गई।"[4]

सरदार वल्लभभाई पटेल के सचिव वी.पी. मेनन अपनी पुस्तक 'द स्टोरी ऑफ द इंटिग्रेशन ऑफ द इंडियन स्टेट्स' में लिखते हैं कि, सरदार पटेल, मेनन समेत अपने सारे सलाहकारों की बात पर भरोसा करते थे और बात की गहराई को समझते थे। यही कारण कि अनेक रियासतों का विलय जो कि नामुमकिन-सा काम था मुमकिन हो पाया। एकता में बल होता है ये हम सभी जानते हैं लेकिन भारत के एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान का यह देश हमेशा ऋणी रहेगा। पटेल जी ने भारत को अपना अंग माना है और उसकी खातिर उन्होंने भारत के आत्मसम्मान पर स्वयं को न्यौछावर कर दिया था।

सरदार वल्लभभाई पटेल स्वतंत्रता आंदोलन में तो अपना योगदान देते ही हैं किंतु उनके हृदय में गरीबों और किसानों के अधिकारों के

Certified as
TRUE COPY
Principal
Ramniranjan Jhunjhunwala College,
Ghatkopar (W), Mumbai-400086.

लिए भी उतनी ही तीव्र वेदना थी, सन् 1918 ई. में चंपारण सत्याग्रह से प्रभावित होकर गाँधी जी की तरह 'खेड़ा सत्याग्रह' में उतर पड़े। यह आंदोलन महात्मा गाँधी जी द्वारा गुजरात के जिले में किसानों की आवाज उठाने और सरकार द्वारा कर माफ करने के लिए किया गया था। गाँधी जी के इस सत्याग्रह का पटेल जी पर अधिक प्रभाव पड़ा जिसके बाद सन 1928 में पटेल जी ने 'बारदोली सत्याग्रह' करके गुजरात में कर की समस्या को खत्म किया। जहाँ उन्हें महिलाओं द्वारा 'सरदार' की उपाधि प्राप्त हुई।[5]

उन्होंने मानवसेवा, देशसेवा के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। जब वी पी मेनन, पटेल के साथ सत्याग्रह में थे, तो उन्होंने विश्राम की इच्छा जताई, पर पटेल जी रात के अँधियारे में एक पंक्ति कह गए, "ये समय आराम करने का नहीं है।" अर्थात् सत्याग्रह में अपना योगदान दे, स्वयं को देश के प्रति समर्पित करें। उन पर इन बातों का ऐसा प्रभाव पड़ा जिसे वी पी मेनन ने अपनी पुस्तक 'द स्टोरी ऑफ द इंटीग्रेशन ऑफ इंडियन स्टेट्स' में विचारों की सराहना की हैं ।

आखिरकार 15 अगस्त, 1947 को भारत ने स्वतंत्रता की आशाओं से सरस्वती वंदना के गीत गाए। अतः सरदार पटेल जी भारत के प्रथम गृहमंत्री एवं उप प्रधानमंत्री के सम्मान से विभूषित किए गए।

कई लोग पटेल जी की कूटनीति को मतभेद की नजरों से देखते है, पर सदैव पटेल जी ने 'भारत की अर्थव्यवस्था को सुधारने का प्रयास किया, भारत में हिंदू-मुस्लिमों के विवाद को खत्म करने की कोशिश की; अपनी राजनीति से भारत में रियासतों को बिखरने से बचाया; भारत के सामाजिक विकास के लिए हमेशा सुधारों का प्रयत्न किया।' पटेल जी की इन्हीं विचारों और कोशिशों से प्रभावित होकर 'सरोजिनी नायडू' ने उन्हें, 'संकल्प शक्ति वाले गतिशील व्यक्ति' की संज्ञा प्रदान की।

सरदार वल्लभभाई पटेल का निधन 15 दिसंबर, 1950 को हुआ। जब उनके बैंक खाते की जाँच की गई तो उसमें शेष '250 रूपया' राशि उपलब्ध थी। अर्थात् उन्होंने कभी भी अपनी सत्ता का दुरुपयोग नहीं

Certified as
TRUE COPY
Principal
Ramniranjan Jhunjhunwala College,
Ghatkopar (W), Mumbai-400086.

चंपारण सत्याग्रह
' में उतर पड़े। यह
कसानों की आवाज
या गया था। गाँधी
पड़ा जिसके बाद
गुजरात में कर की
रदार' की उपाधि

वर कर दिया। जब
विश्राम की इच्छा
ह गए, "ये समय
योग दे, स्वयं
प्रभाव पड़ा जिसे
शन ऑफ इंडियन

त्रता की आशाओं
ो भारत के प्रथम
गए।
नजरों से देखते
ुधारने का प्रयास
की कोशिश की;
चाया; भारत के
ा।' पटेल जी की
नायडू' ने उन्हें,
की।
1950 को हुआ।
0 रूपया' राशि
ा दुरुपयोग नहीं

किया, उन्होंने सरकारी खजाने का प्रयोग केवल भारत निर्माण व जनता में ही किया।

सरदार पटेल जी की लगन व निष्ठा ने भारत को एक नई दिशा प्रदर्शित की, जिसका कोई मूल्य ही नहीं है; अत: उनके मरणोपरांत 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया।

संदर्भ ग्रंथ

1. https://up80online
2. http://hindugarjan.blogspot.com/2010/09/blog-post_6515.html
3. सरदार पटेल तथा भारतीय मुसलमान, रफ़ीक़ ज़करिया, पृ. 13, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, IWN – 978-81-7178-604-6
4. आजतक_https://www.google.com/amp/s/www.aajtak.in/amp/education/history/story/know-sardar-patel-role-in-uniting-india-after-independence-tedu-571218-2018-10-31
5. भारतीय सेनानी भाग 7__https://www.ksgindia.com/study-material/snapticle/9552-indian-freedom-fighter-part-7-sardar-vallabh-bhai-patel.html

अध्यक्ष, हिंदी विभाग
रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय (स्वायत्त)
घाटकोपर, मुंबई

❖❖❖

Certified as
TRUE COPY
Principal
Ramniranjan Jhunjhunwala College,
Ghatkopar (W), Mumbai-400086.

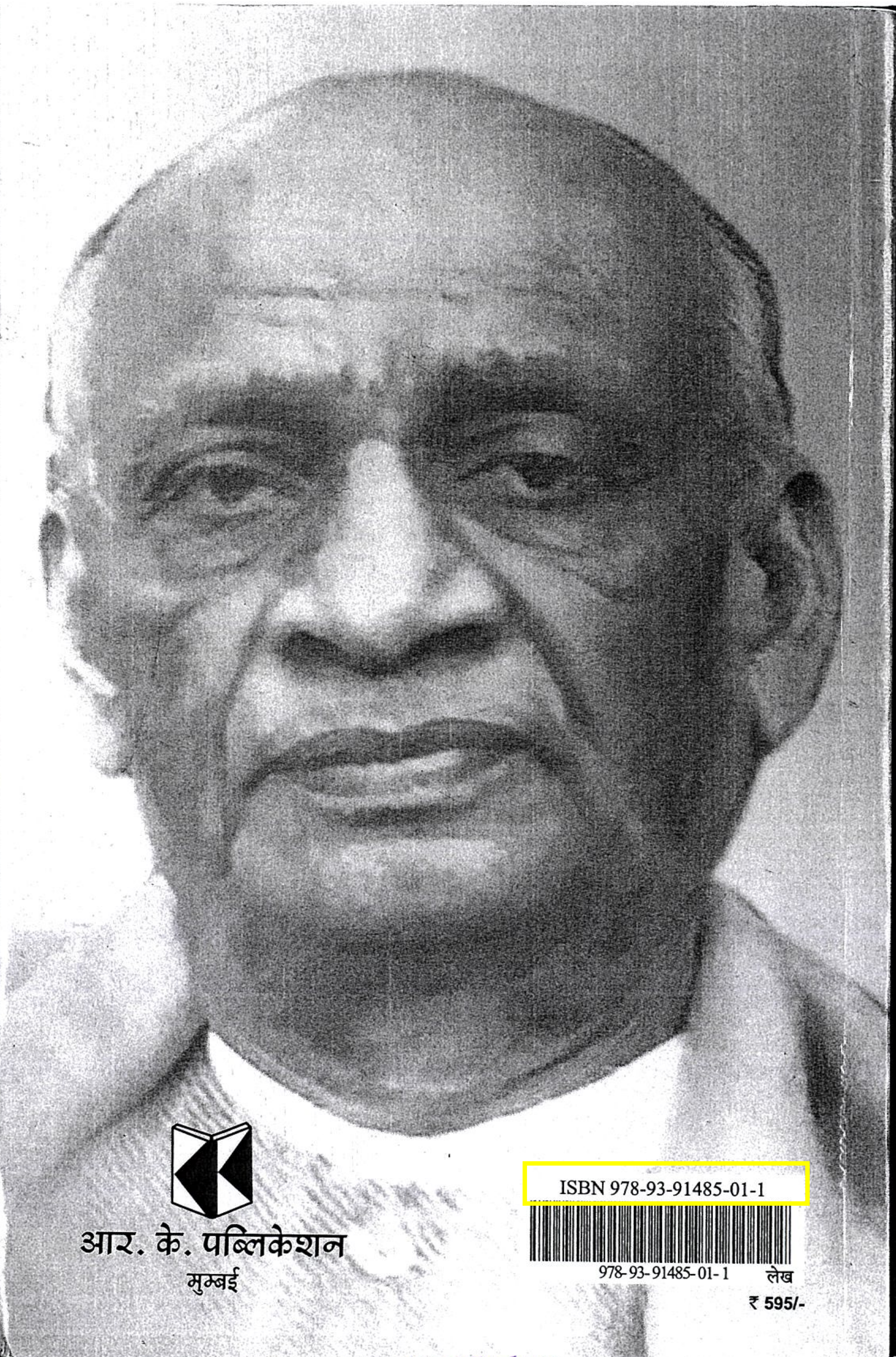

आर. के. पब्लिकेशन
मुम्बई

ISBN 978-93-91485-01-1
978-93-91485-01-1 लेख
₹ 595/-

Certified as
TRUE COPY

Principal
Ramniranjan Jhunjhunwala College,
Ghatkopar (W), Mumbai-400086.